



Cadaver Organ Donor Hirenkumar Jayantibhai Gohil



Young mason's organs give new lease of life to three

Times News Network

Surat: A 23-year-old mason from the city has become a saviour for three ailing patients as his organs were donated to them after he was declared brain-dead here on Saturday.

Hiren Jayanti Gohil, a resident of Hastinapur Society at L.H. Road in Varachha, had gone on his daily routine work at the construction site on airport road at Magdalla on February 25. He was laying bricks at the



site when he fell down from the height of 35 feet.

Gohil sustained serious head and body injuries and was shifted to a private hospital at Athwalines. Dr. Di-

vyang Bhatt diagnosed the patient to be suffering from severe brain haemorrhage. Neurosurgeon Dr. Has-mukh Sojitra and neurophysician Dr. Paresh Jhan-mera, after several tests, declared Hiren brain-dead.

The youth's parents and family members were advised to go for cadaver organ donation. Family members were explained how organ donation helps save lives. After detailed discussion, they agreed to donate his organs.

His two kidneys, a liver and eyes were donated. The kidneys were transplanted in 50-year-old P. K. Srivastava in Lucknow and 31-year-old Tejal Navin Parmar, a resident of Surat. The liver was transplanted in 49-year-old Girish Pujara, a resident of Ahmedabad.

The transplants were done by a team led by Dr. Jamal Rizvi and Dr. Pranjal Modi of Ahmedabad-based Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC).

બ્રેઈનડેડ યુવાનના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન-રોશની મળી

અમરોલ એરપોર્ટ ખાસે નવી બેંપાલો કિલિયમ્બોલી પરકાચેલા યીડની, લીવર અને મનુષ્ય દાનથી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવ જીવન અને અંગદાન કરતા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કાળમાં આપવા દેવા જે અંગદાનને નવી રોશની મળી હતી.

ગુર્જર ક્ષત્રિય કુટિયા સમાજના ૨૩ વર્ષના યુવાન હિરેન ગોહિલના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને રાહ ચીંધ્યો

નવી બેંપાલો ખાસે લિવર પુરુષ, પુષ્કાળ અને અંગદાન કરનાર પુત્રાના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. આ પુરુષના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને રાહ ચીંધ્યો છે.

અમરોલ પુલે નવી બેંપાલો કિલિયમ્બોલી પરકાચેલા યીડની, લીવર અને મનુષ્ય દાનથી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવ જીવન અને અંગદાન કરતા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કાળમાં આપવા દેવા જે અંગદાનને નવી રોશની મળી હતી.

અંગદાન કરનાર પુત્રાના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. આ પુરુષના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને રાહ ચીંધ્યો છે. આ પુરુષના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને રાહ ચીંધ્યો છે.



વરરાજાના બ્રેઈનડેડ યુવાનની કીડની અને લીવરના દાનથી ત્રણને નવજીવન!

એરપોર્ટ સામેની બિલ્ડી ગમાં ટાઇલ્સ લગાવતી ઘણતે ૩૫ ફૂટની ઊંચાઈથી પટકાચેલા હિરેન ગોહિલના માથામાં ગંભીર ઇજા થઈ હતી. ખાનગી હોસ્પિટલમાં બ્રેઈનડેડ તબીબે કહ્યું તો સ્વપ્નજાલા સ્વર્ગોર્ણુ દાન કરી સમાજને નવી રીતી ચાલવો

મરો હતો. પુત્રાના પરિવારનાં સભ્યોએ અંગદાન કરવાની તૈયમી કરી. ગુર્જર ક્ષત્રિય સમાજને પણ અંગદાન કરવાનો નિર્ણય લઈ નવી રોશ મળી હતી.

અંગદાન કરનાર પુત્રાના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. આ પુરુષના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને રાહ ચીંધ્યો છે. આ પુરુષના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને રાહ ચીંધ્યો છે.

અમરોલ એરપોર્ટ ખાસે નવી બેંપાલો કિલિયમ્બોલી પરકાચેલા યીડની, લીવર અને મનુષ્ય દાનથી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવ જીવન અને અંગદાન કરતા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કાળમાં આપવા દેવા જે અંગદાનને નવી રોશ મળી હતી.

અમરોલ પુલે નવી બેંપાલો કિલિયમ્બોલી પરકાચેલા યીડની, લીવર અને મનુષ્ય દાનથી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવ જીવન અને અંગદાન કરતા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કાળમાં આપવા દેવા જે અંગદાનને નવી રોશ મળી હતી.

वराधना गोडिल परिवारे पुत्रना मृत्युबाद किडनी, लिवर दान आपी मानवता भडेकावी

सुरत, का. २७
उप कूट (किडनी) जमीन पर पटकयेवा
इतीया काम करणे क्यो. भावनां गोडीर
उप कूट (किडनी) जमीन पर पटकयेवा
इतीया काम करणे क्यो. भावनां गोडीर
उप कूट (किडनी) जमीन पर पटकयेवा
इतीया काम करणे क्यो. भावनां गोडीर

**अरपोर्ट नशुक बिडिंगमां
कडियाकाम करती वेणा
उप कूट उंचेची पटकातां
युवाने छव गुमाव्यो હતો**

अरपोर्ट नशुक बिडिंगमां
कडियाकाम करती वेणा
उप कूट उंचेची पटकातां
युवाने छव गुमाव्यो હતો

अरपोर्ट नशुक बिडिंगमां
कडियाकाम करती वेणा
उप कूट उंचेची पटकातां
युवाने छव गुमाव्यो હતો



गोडिल परिवारे भेईनडेड युवानना अंगोनुं दान करी मानवता भडेकावी

सुरत, का. २७
उप कूट (किडनी) जमीन पर पटकयेवा
इतीया काम करणे क्यो. भावनां गोडीर
उप कूट (किडनी) जमीन पर पटकयेवा
इतीया काम करणे क्यो. भावनां गोडीर

**अरपोर्ट नशुक बिडिंगमां
कडियाकाम करती वेणा
उप कूट उंचेची पटकातां
युवाने छव गुमाव्यो હતો**

अरपोर्ट नशुक बिडिंगमां
कडियाकाम करती वेणा
उप कूट उंचेची पटकातां
युवाने छव गुमाव्यो હતો

अरपोर्ट नशुक बिडिंगमां
कडियाकाम करती वेणा
उप कूट उंचेची पटकातां
युवाने छव गुमाव्यो હતો

नवी राह

गुर्जर क्षत्रिय कडिया समाजना ड्रेनडेड युवानना अंगदाना छानथी त्रास व्यक्तिते नपशुपन अने डेले नवी द्रष्टि भागी

ड्रेनडेड युवकना अंगदानथी उने नपशुपन मळयुं

L.H. रोडना युवकनुं कडियाकाम करती वेणा पटकातां ड्रेथन डेमरेजथी मोत आह अंगदान करायुं

डेवशिंदरकुण गुर्जर क्षत्रिय समाजना वंमे हनुमान रोडना येड युवान ड्रेनडेड आडेर घतां तेना परिवाररजोने अंगदान घन करती डेनेड वार्डि संस्था थकी अंगदाने वख व्यक्तियां द्रान्वावाच करायी नपशुपन मळयुं. तो आनवी डे व्यक्तिते द्रष्टि भागी छली.

छमे हनुमान रोडनी हस्तीनापुर सोसायटी आते रवेळीं शिरेन रुग्णीवार्डि गोखिल (23) मल युवकाच्या रोड कडियाकाम करतीं

पटकातां पडतां माड्यां गंजोर डेख घतां मेमान घडी गणा छतां. तेने डेर होस्पिटल आते अंगदानां आयीं छती. त्यां ड्रेथन डेमरेज डोवाचु निदान थयुं छतुं. शुध्वाडे ड्रेनडेड आडेर छतीं छतीं, आ संगेनी घात घतां डेनेड वार्डिना नीवेद्य मांडवेवाद्याचे पडोशी रडि परिवाररजोने अंगदाननुं मळन नपशुपनुं छतुं. तेथी परिवाररजोने संवदावनी संमति आयीं छती. अंगदानादनी आडिडोवास्तीना लोभनीं डेमे आयीं डे डिडनीं अने

डीवरलुदान स्वीकार्युं छतुं. तो वयुतु दान वोकडिचि वयुमेडे स्वीकार्युं छतुं. अने डिडनीं पीडी येड डिनर प्रवेश घणवीना पी.के. श्रीवास्तव (50) भोख डिडनीं सुरतनी तेख नवीनवाडी परमार शिरोनीं तो डीवर नपशुपनादना गीरीशवार्डि गुंजरा (23)यां द्रान्वावाच करायीं आयुं छतुं. घडेरना अंगदान आटे दिनप्रतिदिन अवेरलेस आयीं रडी छे. डे शत्रुघ्नभातमदीं आटे आषाढुं दिख साभित छतीं छतीं छे.



अंगदान करनार वरळा वंमे हनुमान रोडना युवक शिरेन रुग्णीवार्डि येडिले.

अंगदान से तीन को नई जिंदगी

दो को रोशनी मिली

सुस्त हादसे में घायल होने के बाद ब्रैनडेड घोषित बरळा के युवक के परिजनो ने उसके अंगों का दान कर तीन व्यक्तियों को नई जिंदगी और दो जनें को रोशनी दी है।

बरळा लंबे हनुमान रोड स्थित हस्तीनापुर सोसायटी निवासी शिरेन जयंती गोखिल (23) की सुक्रवार शाम ड्रामस रोड स्थित एक निर्माणश्र्थेन इमारत में टाइल्स लगवते वकत कंधाई से गिरने से संभर रूप से घायल हो गया था। उसे निचे अस्पताल में भर्त करि जाने के बाद चिकित्सकों ने उसे ड्रेन डेड घोषित कर दिया था। अस्पताल के चिकित्सकों की ओर से



ड्रेनेट लडफ के प्रमुख मिलेश मांडलेवाला को इसकी जानकारी दी गई। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकों के साथ मिलकर शिरेन के परिजनो को अंगदान के विषय में जानकारी दी। परिजन अंगदान के लिए तैयार हो गए। परिजनो की सहमति के बाद अहमदाबाद स्थित इन्स्टीट्यूट ऑफ किडनी डिस्सेज फंड रिसर्च सेंटर की टीम सूत पहुंची और दोनों किडनी

तथा लीवर का दान स्वीकार किया। वही लोकतुष्टि चयु कैक के डॉ प्रफुल्ल शिंग्या ने जखुदान स्वीकार किया। शिरेन की दोनों किडनियों में से एक किडनी लखनऊ निवासी पी.के.श्रीवास्तव और दूसरी सूत निवासी तेजल नवीन परमार में ट्रांसप्लांट की गई। लीवर अहमदाबाद के गिरिश पुजाव में ट्रांसप्लांट किया गया।

ब्रेनडेड हिरनभाई के अंगों का दान कर 3 लोगों को दिया नया जीवन और दो ने पायी नई रोशनी



सूरत। हिरन जयतिभाई गोहिल शाम 4 बजे एयरपोर्ट के सामने स्थित एक बिल्डिंग में टाइल्स लगाने का कार्य कर रहे थे। उसी समय अचानक ब्रेनडेड गंवाने से 35 फुट उंच से नीचे गिरने पर सिर में गंभीर चोट लगी और बेहोश हो गये। उन्हें तुरंत 108 एम्बुलेंस में शाम 5 बजे केवर हॉस्पिटल में डॉ. दिव्यांग भट्ट को उपचार अंतर्गत भर्ती किया गया था। सीटी स्कैन से ब्रेन हैमरेज का पता चला। 26 फरवरी 2016 को न्यूरोसर्जन डॉ. हसमुख सोनित्रा व न्यूरोफिजिओलॉजिस्ट डॉ. परेश झांझमेरा ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया। डॉ. नीतिन मानाणी ने डॉनेट लाइफ के प्रमुख निलेश मांडलेवाला को संपर्क कर कांतिभाई के ब्रेनडेड की जानकारी दी।

डोनेट लाइफ के प्रमुख निलेश मांडलेवाला ने परिवारों का अंगदान का महत्व समझाया। हिरन की माता रंजनबेन, पिता जयतिभाई, बहन दीपिका और हेतल, जीजाजी कल्पेश और मांतेरा, भाई भाविक,

मामा रमणभाई, समाज के अग्रणी कांतिभाई गांगुली तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने कहा कि जब हमारे स्वजन ब्रेनडेड हो चुका है तो शरीर जलकर खाक हो इससे अच्छा अंगों का दान करके किडनी व लीवर फेल्योर के रोगियों को नवजीवन मिलता है तो अंगदान के लिए आगे बढ़ें। जिनके पास से दो किडनी व लीवर का दान स्वीकार किया गया। जबकि दो चक्षुओं का दान लोक दृष्टि चक्षु बैंक के डॉ. प्रफुल्ल शिरोया ने स्वीकारा। दान में मिली दोनों किडनी में से किडनी उत्तर प्रदेश के लखनऊ के पी.के. श्रीवास्तव उ.व. 50 में, जबकि दूसरी किडनी सूरत की निवासी तेजल नवीनभाई परमार उ.व. 21 में ट्रांसप्लांट किया गया है। जबकि लीवर अहमदाबाद के गौरिशभाई पुजारा उ.व. 49 में ट्रांसप्लांट किया गया है। अब तक 141 किडनी, 45 लीवर, 3 पैक्रियास, 2 हृदय व 116 चक्षुओं का दान पाकर 307 लोगों को नया जीवन व नई रोशनी मिली है।